# भारतीय जनता पार्टी

*(केंद्रीय कार्यालय)*
11 अशोक रोड, नई दिल्ली–110001
दूरभाष–23382234 / 35 फैक्स– 23782163

दिनांक : मार्च 15, 2008

## भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजनाथ सिंह द्वारा स्व. साहिब सिंह वर्मा के 65वें जन्म दिवस पर आयोजित किसान रैली में दिये गये उद्बोधन के प्रमुख अंश

साठ वर्ष की आजादी के बाद भी आज हम विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में नहीं है। कांग्रेस पार्टी ने गांव, गरीब, किसान की चिंता कभी नहीं की, उनको हमेशा हाशिये पर रखा गया। अधिकांश भारत दिल्ली, मुंबई, कलकत्ता, मद्रास की ऊंची इमारतों में नहीं बल्कि गांव में रहता है। और उसी गांव, गरीब, किसान की उपेक्षा कांग्रेस पार्टी करती रही है। 110 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में 77 करोड़ लोग का जीवन कृषि पर निर्भर है। भारत का किसान देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता, सबसे बड़ा उत्पादक और सबसे बड़ा ग्राहक है। कांग्रेस ने इसी वर्ग को हाशिये पर रखा। वायदे बहुत किये, लेकिन उनको निभाया कभी नहीं गया। इसी का परिणाम है कि देश की जनता से नेताओं की विश्वसनीयता समाप्त हो रही है। भारतीय जनता पार्टी ने इसको चुनौती के रूप में लिया है। हम जो कहेंगे वही करेंगे। राजनीतिक फायदा उठाने के लिए जनता के साथ झूठा वायदा नहीं करेंगे।

किसानों का कर्ज माफ होना चाहिए। यह मांग भारतीय जनता पार्टी लगातार करती चली आ रही है। यूपीए सरकार ने आनन–फानन में किसानों के कर्ज माफी की घोषणा की है। इस घोषणा के बारे में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगा। लेकिन, यूपीए सरकार ईमानदारी से जरूरतमंद किसानों तक इस घोषणा का वास्तविक लाभ पहुंचाने का प्रयास करती है, तो हम इसका सहयोग करेंगे।

भारत का किसान देश का सबसे बड़ा उत्पादक है, सबसे बड़ा उपभोक्ता है और सबसे बड़ा ग्राहक है। लेकिन, जब–जब कांग्रेस की सरकार केन्द्र में रही तब–तब इस वर्ग को उपेक्षित किया गया। कांग्रेस ने ग्रामीण भारत की आर्थिक अजादी को तहस–नहस कर दिया। किसान आत्महत्या कर रहा है। गरीब, मजदूर महंगाई की मार झेल रहा है। बेरोजगारी बढ़ रही है। ईमानदारी से अगर इसके लिए कोई पार्टी जिम्मेदार है तो वह कांग्रेस पार्टी है। क्योंकि आजादी से लेकर आज तक देश में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कांग्रेस पार्टी का राज रहा है।



Document Produced by deskPDF Unregistered :: http://www.docudesk.com

श्री राजनाथ सिंह ने चीन में शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे तिब्बति प्रदर्शनकारियों पर वहां की सरकार द्वारा की जा रही सख्ती को अनुचित ठहराया। उन्होंने कहा कि समस्या का शांतिपूर्ण समाधान निकालना चाहिए और बौद्ध भिक्षुओं पर दमन की कार्रवाही को तुरंत रोका जाना चाहिए। श्री सिंह ने कहा कि भारत सरकार को रानीतिक माध्यम का प्रयोग करते हुए, अपनी आपत्ति चीन की सरकार तक पहुंचानी चाहिए। लेकिन, भारत सरकार ने ऐसा कुछ नहीं किया। बल्कि तिब्बत के लिए दिल्ली में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे बौद्ध भिक्षुओं पर अनावश्यक बल–प्रयोग किया गया। इस हेतु भाजपा भारत सरकार की आलोचना करती है।

ताजा घटनाक्रम एक बार पुनः इस बात को प्रमाणित करता है कि हमारे पड़ोसी देशों के साथ किसी भी प्रकार के कूटनीतिक विषय को वर्तमान यूपीए सरकार प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने की क्षमता नहीं रखती।

श्री राजनाथ सिंह जी ने श्री साहिब सिंह वर्मा जी को गांव, गरीब, किसान के नेता बताया। और कहा कि जब मैं राष्ट्रीय अध्यक्ष बना, पहली मुलाकात में साहिब सिंह जी का अनुरोध था कि अध्यक्ष जी गांव, गरीब, किसान को राजनीति के केन्द्र में रखना चाहिए। यहां बैठा अपार जन–समूह इस बात को सही सिद्ध कर रहा है कि स्व. वर्मा जी जन–जन के नेता थे।



Document Produced by deskPDF Unregistered :: http://www.docudesk.com